राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

# वर्तमान चुनौतियों के निराकरण का मार्ग गांधीजी के विचारों में है

**–राज्यपाल**

जयपुर, 22 अक्टूबर। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा कि आज विश्व जिन बड़ी चुनौतियों से जूझ रहा है, उनके निराकरण का मार्ग गांधीजी के विचारों से खुलता है। पर्यावरण असंतुलन, आतंकवाद, चारित्रिक गिरावट और अविवेकपूर्ण तरीके से हो रहा विकास, वे चुनौतियां हैं, जिनका सामना पूरा संसार कर रहा है। महात्मा गांधी ने बहुत संक्षेप में मनुष्य, समाज और राष्ट्र के निर्माण का तरीका बताया। गांधीजी के अनुसार नैतिकता, अर्थशास्त्र, राजनीति और धर्म अलग–अलग इकाइयां हैं, पर इन सबका उद्देश्य एक ही है और वह है सर्वोदय। राजनीति अगर लक्ष्यहीन है और आदर्शों पर टिकी नहीं है तो वह पवित्र नहीं हो सकती। इसी प्रकार अनुचित साधनों और बिना परिश्रम कमाया गया धन, एक प्रकार से चुराया हुआ धन है। गांधी जी का आत्मा से अभिप्राय मन की उस आवाज से है, जो गलत और सही का विवेक प्रदान करती है। इसी तरह ऐसा विज्ञान जो मानवता के विपरीत कार्य करे वह वरदान नहीं अभिशाप है। राज्यपाल श्री मिश्र सोमवार को इन्दौर में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्डस द्वारा आयोजित परिचर्चा '' वर्तमान में महात्मा गांधी की प्रांशगिकता '' में बोल रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन और उनके कार्य उन्हें इतनी ऊंचाई प्रदान करते हैं कि आज उनके जन्म के 150 वर्ष बाद भी हमें न केवल प्रेरणा मिल रही है बल्कि भावी पीढ़ी के लिए भी इसमें संदेश निहित हैं। गांधी जी ने स्वतंत्र भारत में अपने जीवन का बहुत कम समय व्यतीत किया। इसके बावजूद हम देखते हैं कि आज देश का विकास और विकास की संकल्पना उनके स्वदेशी ग्राम स्वराज्य और स्वावलंबन जैसे सिद्धान्तों के बिना अधूरी है।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि महात्मा गांधी एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिनके सिद्धान्त देश, धर्म, भाषा, जाति, सम्प्रदाय और वर्ग सबसे ऊपर उठकर सम्पूर्ण मानवता के लिए उपयोगी और प्रासंगिक बने रहेंगे। अगर हम इतिहास पर नज़र ड़ालें तो विश्वभर में पिछली शताब्दी के दौरान साम्राज्यवाद के खिलाफ चले सभी आन्दोलनों में गांधी की छाप नजर आती है।

श्री मिश्र ने कहा कि दक्षिण अफ्रिका में नेलसन मण्ड़ेला हों या अमरीका में मार्टिन लूथर किंग, फिलीस्तीन में यासर अराफात हों या पौलेण्ड के लेक वालेसर सबने किसी न किसी रूप में गांधी को अपना प्रेरणा स्रोत माना। गांधीजी के विचारों और आचरण के साथ–साथ उनके सिद्धान्तों और अहिंसा में उनकी अटूट निष्ठा ने दुनिया के कई देशों में आन्दोलनों की दिशा ही बदल दी।

राज्यपाल ने युवाओं का आव्हान किया कि वे महात्मा गांधी का ग्राम स्वराज्य, स्वदेशी और स्वावलंबन का मार्ग एक ऐसा जीवन दर्शन है, जो मनुष्य को दूसरे पर निर्भर होने से रोकता है। **फोटो–1**

———

## महाकालेश्वर ज्योतिलिंग के दर्शन किये

जयपुर, 22 अक्टूबर। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने मंगलवार को प्रातः उज्जैन में महाकालेश्वर की पूजा अर्चना कर देश व प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर प्रदेश की प्रथम महिला श्रीमती सत्यवती मिश्र भी साथ थीं। **फोटो–2**

**वरिष्ठ विधायकों का सम्मान करेंगे राज्यपाल –** राज्यपाल श्री कलराज मिश्र बुधवार को वरिष्ठ विधायकों को सम्मानित करेंगे। सुन्दरसिंह भण्डारी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा पूर्व उपराष्ट्रपति स्व. श्री भैरोसिंह शेखावत की जयंती पर रविन्द्र मंच पर आयोजित समारोह में राज्यपाल श्री कलराज मिश्र मुख्य अतिथि होंगे।

**स्व.शेखावत को श्रद्वाजंलि देगे राज्यपाल –** राज्यपाल श्री कलराज मिश्र बुधवार को सांय स्व. भैरोसिंह शेखावत के समाधि स्थल पर जाकर श्रद्वाजंलि अर्पित करेंगे।

———

**डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा**
**सहायक निदेशक (जनसम्पर्क)**
**राज्यपाल, राजस्थान**